NCkERT Solutions for Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 Megh Aaye

बारिश का मौसम न केवल धरती को जीवन देता है, बल्कि कविता और साहित्य में भी कल्पना को नई उड़ान देता है। 'मेघ आए' (कवि–Nagarjun) ऐसी ही मनोहारी कविता है, जिसमें वर्षा ऋतु का आगमन कवि द्वारा एक 'पाहुन' (अतिथि/दामाद) की तरह चित्रित किया गया है। इस कविता में प्राकृतिक सौंदर्य, भारतीय परंपरा और आमजन के हर्षोल्लास का सजीव चित्रण मिलता है।

इस अध्याय के प्रश्नों के जरिए छात्र न केवल कविता की कलात्मकता को समझेंगे, बल्कि यह भी जान पाएंगे कि कवि ने प्रतीकों, अलंकारों और ग्रामीण संस्कृति के माध्यम से बादलों की महत्ता कितनी सुंदरता से प्रस्तुत की है। आइए, विस्तार से NCERT Solutions for Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 Megh Aaye पढ़ते हैं।

Also read: NCERT Solutions for Class 9 Hindi Kshitij Chapter 2 ल्हासा की ओर

Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 Megh Aaye Introduction

कक्षा 9 हिंदी क्षितिज अध्याय 12 "मेघ आए" में कवि ने बादलों के आगमन को एक "पाहुन" (दामाद) के आगमन से जोड़ा है। कविता में प्राकृतिक परिवर्तनों का मानवीकरण (personification) करते हुए पारंपरिक ग्रामीण रीति-रिवाजों और प्रतीकों का उपयोग किया गया है।

यह अध्याय न केवल हिंदी साहित्य की सुंदरता का अनुभव कराता है, बल्कि भाषा, भाव और रीति-रिवाजों में छिपी भारतीय संस्कृति को भी उजागर करता है।

Also Read: NCERT Solutions for Class 9 Hindi Kshitij Chapter 1 – दो बैलों की कथा

Detailed NCERT Solutions for Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 Megh Aaye

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर सरल, विस्तृत और परीक्षा में सहायक रूप से लिखे गए हैं।

प्रश्न **1.** बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

उत्तर: कवि ने वर्णन किया है कि बादलों के आने पर–

- धूल उड़ने लगती है।

- पेड़ खुशी से लहराने लगते हैं।
- नदी का पानी और गहरा व चंचल हो जाता है।
- लताएँ सज-धज कर बादलों का स्वागत करती हैं।
- ताल (तालाब) की लहरें झूमने लगती हैं।
  ये सब गतिशील दृश्य वातावरण को जीवंत और स्वागत योग्य बना देते हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित किसके प्रतीक हैं?

- धूल
- पेड़
- नदी
- लता
- ताल

उत्तर:

- धूल – ग्राम के सामान्य जन, जो प्रसन्न होकर उछलते हैं।
- पेड़ – गाँव के युवक, जो बादलों का स्वागत करते हैं।
- नदी – गाँव की युवतियाँ, जो चंचलता और सजधज का प्रतीक हैं।
- लता – घर की महिलाएँ, जो विशेष ध्यान देकर अतिथि को देखती हैं।
- ताल – गाँव का विशाल समाज, जो उल्लासपूर्ण रूप से स्वागत करता है।

प्रश्न 3. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

उत्तर:
लता ने बादल रूपी मेहमान को बड़े ध्यान और उत्सुकता के साथ देखा क्योंकि वह गाँव में आए दामाद (पाहुन) की तरह था। परंपरागत रूप से दामाद का विशेष स्वागत होता है और इसलिए लताएँ भी मानो नई उर्जा और उत्साह से उसे निहारती हैं।

प्रश्न 4. भाव स्पष्ट कीजिए

(क) क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की
(ख) बाकी चितवन उठा, नदी चुटकी घूंघट सरके।

उत्तर:
(क) कवि कहना चाहता है कि अब तक सूखा और गर्मी थी, लेकिन मेघों के आगमन के साथ धरती पर हरियाली लौट आई है। यह दृश्य देखकर मन का मोहभ्रम टूट गया और एक नई आशा का संचार हुआ।
(ख) यहाँ नदी को युवती की तरह चित्रित किया गया है, जो बादलों को देखकर संकोच छोड़कर हंसमुख हो उठती है और अपना घूंघट हटाती है।

प्रश्न 5. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए हैं?

उत्तर:

- वातावरण ठंडा और सुहावना हो गया।
- पेड़-पौधे हरे-भरे हो गए।
- सूखी नदियाँ लबालब हो गईं।
- खेतों में उमंग और खुशी फैल गई।
- पूरा गाँव उत्साह और उमंग से भर उठा।

प्रश्न 6. मेघों के लिए 'बन-ठन के सँवर के आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर:
कवि ने यह इसलिए कहा है क्योंकि मेघ गहरे काले, नीले और रंग-बिरंगे रूप में सज-धज कर आते हैं। बिजली की चमक उनके आभूषण जैसी लगती है। मानो वे बन-ठन कर दामाद की तरह गाँव में प्रवेश कर रहे हों।

प्रश्न 7. कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण लिखिए।

उत्तर:

- मानवीकरण (Personification): "नदी ने घूंघट सरकाया।" – यहाँ नदी को युवती की तरह चित्रित किया गया है।
- रूपक (Metaphor): "मेघ आए पाहुन बनकर।" – यहाँ मेघों को पाहुन/दामाद कहकर उनकी तुलना की गई है।

प्रश्न 8. कविता में जिन रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर:

- पाहुन (दामाद) का गाँव में सम्मानपूर्वक स्वागत करना।
- लता (स्त्रियों) का संकोच और उत्सुकता से निहारना।
- गाँव के हर वर्ग (युवा, महिलाएँ, बुज़ुर्ग) का दामाद की आगवानी करना।
  ये रीति-रिवाज भारतीय ग्रामीण परंपरा का दर्पण हैं।

प्रश्न 9. कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

उत्तर:
कवि ने बादलों को आकाश में आते हुए ऐसे दर्शाया है जैसे गाँव में दामाद का प्रवेश हो रहा हो। खेत-खलिहान, नदी, लताएँ सब उनके स्वागत में उमंगित होते हैं। यह उपमान इतना सजीव है कि पाठक को लगता है जैसे पूरा गाँव वास्तविक रूप में दामाद का स्वागत कर रहा हो।

प्रश्न 10. काव्य सौंदर्य

पाहुन जो आए हो गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन ठन के सँवर के।

उत्तर:
इन पंक्तियों में कवि ने बादलों की सजधज और उनके आगमन की भव्यता को पाहुन (दामाद) से तुलना कर व्यक्त किया है। यह उपमा कविता को रोचक और जीवंत बनाती है।

Also Read: NCERT Solutions For Class 9 Hindi Kshitij Chapter 13

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 11. वर्षा के आने पर अपने आसपास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देख कर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर: वर्षा के आते ही वातावरण बदल जाता है। पेड़-पौधे ताजगी से लहलहा उठते हैं। धूल बैठ जाती है और वातावरण में ठंडक छा जाती है। पशु-पक्षी प्रसन्न होकर किलकारियाँ मारने लगते हैं। बच्चों का मन खेल और आनंद से भर जाता है। खेतों में हरियाली आने लगती है और किसान के चेहरे पर मुस्कान लौट आती है।

प्रश्न 12. कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है?

उत्तर: पीपल वृक्ष बहुत पुराना और विशाल होता है। गाँव में इसे पूजनीय और आदरणीय माना जाता है। कवि ने इसी कारण इसे गाँव का “सबसे बड़ा बुजुर्ग” कहा है, जो हर परिवर्तन का साक्षी रहता है।

प्रश्न 13. कविता में मेघ को "पाहुन" के रूप में चित्रित किया गया है। परंपरा में दामाद को विशेष महत्व प्राप्त था, लेकिन आज इसमें परिवर्तन आया है। क्या कारण नजर आते हैं?

उत्तर: आज दामाद को वह विशेष सम्मान नहीं मिलता क्योंकि–

- आधुनिक जीवनशैली में सबको समान दृष्टि से देखा जाने लगा है।
- संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार बन गए हैं।
- लोग परंपराओं से अधिक व्यावहारिकता पर जोर देते हैं।
- शिक्षा और विज्ञान के विकास ने रीति-रिवाजों को सीमित कर दिया है।

भाषा-अध्ययन

प्रश्न 14. कविता में आए मुहावरों को छांट कर अपने वाक्य में प्रयुक्त करो।

उत्तर:

- गाँठ खुल गई – अब उसके मन की गाँठ खुल गई।
- घूंघट सरकाना – दुल्हन ने संकोचवश धीरे से घूंघट सरकाया।

प्रश्न **15.** कविता में प्रयुक्त आँचलिक शब्दों की सूची बनाइए।

उत्तर:

- पाहुन
- चितवन
- घूंघट
- सँवरना
- लता

प्रश्न **16.** मेघ आए कविता की भाषा सरल और सहज है—उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कविता में किसान, ग्रामीण जीवन और प्रकृति से जुड़े शब्दों का प्रयोग हुआ है, जैसे—"पाहुन", "घूंघट सरकाया", "बन-ठन", "गाँठ खुल गई"। इनसे भाषा सहज और बोलचाल की लगती है, जिसे हर पाठक आसानी से समझ सकता है।

Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 Megh Aaye Summary

- बादलों का आगमन = दामाद का आगमन।
- सारी प्रकृति उनका स्वागत करती है।
- कविता में ग्रामीण परंपराओं का सुंदर चित्रण है।
- भाषा सरल, सहज और लोक-जीवन से जुड़ी है।
- अलंकार और प्रतीक कविता को और भी मोहक बनाते हैं।

Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 Megh Aaye Extra Questions

1. कवि ने मेघों को किन-किन उपमाओं से चित्रित किया है?
2. यदि बारिश समय पर न आए तो गाँव के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
3. इस कविता को ग्रामीण संस्कृति का दर्पण क्यों कहा जा सकता है?
4. कविता में उल्लास और आनंद की अनुभूति किन रूपों में व्यक्त हुई है?
5. मेघ और बिजली को कवि ने कैसे सजाया-सँवारा हुआ बताया है?

Tips and Tricks to Master Megh Aaye Class 9

- कविता की तुलना ग्राम्य परंपरा और प्रकृति से समझें।
- प्रतीकों (धूल, लता, नदी) के अर्थ याद रखें।
- अलंकार (मानवीकरण, रूपक) को उदाहरण सहित याद करें।
- रटना न करें, बल्कि कल्पना करें कि बादल सचमुच गाँव में दामाद की तरह आए हैं।

- परीक्षा में उत्तर सरल और संक्षिप्त भाषा में लिखें।

Class 9 Hindi Kshitij Chapter 12 FAQs

Q1. 'मेघ आए' कविता के कवि कौन हैं?

Ans. कवि नागार्जुन हैं।

Q2. कविता में बादल को पाहुन क्यों कहा गया है?

Ans. क्योंकि कवि ने मेघों की तुलना गाँव में आए दामाद से की है।

Q3. कविता में किस अलंकार का प्रमुख रूप से प्रयोग हुआ है?

Ans. मुख्यतः रूपक और मानवीकरण अलंकार प्रयोग किए गए हैं।

Q4. कविता में गाँव का कौन-सा बुजुर्ग उल्लेखित है?

Ans. पीपल के पेड़ को बुजुर्ग बताया गया है।

Q5. 'गाँठ खुल गई' का क्या अर्थ है?

Ans. भ्रम या संदेह समाप्त हो जाना।